तीव्र पुरुषार्थ - 28

अव्यक्त बापदादा (24/12/1972) **:-**

➳ _ ➳ वैसे भी कोई भी बात, कोई दृश्य, कोई भी चीज परिवर्तन तो होनी ही है। **यह ड्रामा ही परिवर्तनशील है।** लेकिन जैसे लोगों को कहते हो कि विनाश तो होना ही है, मुक्तिधाम में तो सभी को जाना ही है लेकिन अगर विनाश के पहले **ज्ञान-योग के आधार से विकर्म विनाश कर देंगे। तो सजाओं से छूट जावेंगे।** जाना तो है ही, फिर भी जो करेगा सो पावेगा।

➢➢ ड्रामा में कौन कौन सी बातें नित हर पल परिवर्तित हो रही हैं ?

➳ _ ➳ आत्मा का STATUS

➳ _ ➳ TIME

➳ _ ➳ VALUES

➳ _ ➳ संस्कृति

➳ _ ➳ भाषा

➳ _ ➳ Relationships

➳ _ ➳ सोच

➳ _ ➳ मूड

➳ _ ➳ भगवान का पार्ट

➳ _ ➳ मौसम

➳ _ ➳ सत्ता

➳ _ ➳ Actors का पार्ट

➳ _ ➳ Background Scenes

➳ _ ➳ Costumes (स्थूल ड्रेस)

➳ _ ➳ स्वमान (सूक्षम ड्रेस)

→ कभी ऊंची स्थिति, कभी नीची स्थिति

➳ _ ➳ Dialogues

➳ _ ➳ Dance (स्थूल और सूक्षम दोनों)

➳ _ ➳ Editing

➳ _ ➳ Forms & Features

➳ _ ➳ Goals

➳ _ ➳ Habbits / Hobbies

➳ _ ➳ Inner Values

➳ _ ➳ Journey

➳ _ ➳ Kingdom

➳ _ ➳ Lyrics

➳ _ ➳ Locations

➳ _ ➳ Language

➳ _ ➳ Music

➳ _ ➳ Makeup (आत्मा और देह दोनों का)

➳ _ ➳ Narration

➳ _ ➳ Occupation

➳ _ ➳ Prakriti

➳ _ ➳ Power

➳ _ ➳ Purity

➳ _ ➳ Qalaayein (कलाएं)

➳ _ ➳ Relations

→ हर सम्बन्ध की एक उम्र होती है

➳ _ ➳ Screenplay

➳ _ ➳ Side Scenes

➳ _ ➳ Time

→ वो दिन कितने प्यारे थे... ये दिन भी कितने प्यारे हैं...

➳ _ ➳ Understanding

→ ज्ञान की समझ समय के साथ बदलती है...

➳ _ ➳ Villain

➳ _ ➳ Wisdom

➳ _ ➳ X

➳ _ ➳ Yug

➳ _ ➳ Zeal